

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२५

सत्र – १

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग-१) (HDS - 102)

दि.: १५/०५/२०२५

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'पद्मावत' महाकाव्य की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।
- प्र. २ 'पद्मावत' में चित्रित विरह-वर्णन को सोदाहरण विशद कीजिए ।
- प्र. ३ 'पद्मावत' में अभिव्यक्त रहस्यवाद एवं सौंदर्य वर्णन की विशेषताओं को विवेचित कीजिए ।
- प्र. ४ कबीर की भक्ति भावना की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
- प्र. ५ कबीर के काव्य में चित्रित प्रेमभावना और विरह-भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
- प्र. ६ 'विनय-पत्रिका' में अभिव्यक्त भक्ति-रस का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए ।
- प्र. ७ 'विनय-पत्रिका' में अभिव्यक्त दार्शनिकता और तुलसीदास की समन्वय दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ८ गीतिकाव्य के तत्त्वों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।
- १) जेहि दिन दसन ज्योति निर्मई ।
बहुजन ज्योति ज्योति ओहि भई ।
- २) जेहि पंखीके निअर होई
कहै विरह के बात ।
सोई पंखी जाई जरि
तरीवर होई निपात ।
- ३) जाके मुँह माथा नही, नांही रुप-कुरूप ।
पुहुप बास तै पातरा, ऐसा तत्त अनूप ।
- ४) हौं जड़ जीव ईस रघुराया ।
तुम मायापति हौं बस माया ॥

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. 'पद्मावत' काव्य में प्रकृति
 २. कबीर की भाषा
 ३. कबीर के राम
 ४. 'विनय-पत्रिका' का उद्देश्य
-